FRONTLET: I. Lit. : ललाटिका. II. Fig. : भ्रु(भ्रू)कुटि: ; भ्रूभङ्ग:.

FROST : no exact equiv. : (1) तुषार: ; (2) प्रालेय: ; (3) अवश्याय: would do. *F.-bitten* : (1) तुषारहत: (ता, तं), Ku. ; (2) प्रालेयावततिम्लान: (ना, नं), Ki.

FROSTY : अतिहिम: (मा, मं), *F. weather*: तुषारकाल:, Ki.

FROTH (subs.) : (1) फेन: (ण:) ; (2) मण्ड: (in boiling), *removed the f.*: मण्डमगालयत्, D. vi.

FROTH (v.) : (1) फेना(णा)यते (nomi.), *f. ing ocean*: फेनायमानं पतिमापगानाम्, Si. iii. 72. ; (2) मण्डायते (in boiling) ; (3) फेनम् उद्गिरति (गॄ, c. 6.) (as of horse), K.

FROTHINESS : I. Lit. : फेनिलता. II. Emptiness : नि:सारता.

FROTHY : I. Lit. : फेनि(णि)ल:, (ला, लं) ; फेनल: (ला, लं). II. Fig., empty : नि:सार: (रा, रं) ; फेनोपम: (मा, मं), *f. life*: फेनोपमं जीवितम्, H.

FROUZY : पूतिगन्ध: (न्धा, न्धं) : v. Fetid.

FROWARD : प्रतीप: (पा, पं) : v. Perverse, obstinate.

FROWARDLY : प्रतीपम् : v. Perversely, obstinately.

FROWARDNESS : प्रतीपता : v. Obstinacy, perverseness.

FROWN (subs.) : (1) भ्रूभङ्ग:, *making a f.*: भ्रूभङ्गमाधाय, B. -आबध्य, com. ; (2) भ्रु(भ्रू)कुटि:, -टी, *face bent with f.*: भ्रूकुटिकुटिलं मुखम्, V. p.

FROWN (v.) : भ्रूभङ्गं करोति ; भ्रुकुटिं बध्नाति (बन्ध्, c. 9.) etc., *you are f. ing at me*: मय्येव भ्रुकुटिधर: संवृत्त:, Vi. ii.

FROWNINGLY : (1) भ्रूभङ्गं बद्ध्वा ; (2) भ्रूकुटिं कृत्वा ; (3) भ्रूभङ्गमाधाय.

FROZEN : I. Lit. : (1) शिलीभूत: (ता, तं) ; (2) घन: (ना, नं) (=thick), *f. dew*: घननीहार:, Ki. : v. To freeze. II. Chilly ; (1) नितान्तशीत: (ता, तं); (2) हिमप्रधान: (ना, नं).

FRUCTIFICATION : I. Lit. : फलदीकरणम् ; better by verb. II. The reproductive parts of a plant : प्रसूनम् ; फलपुष्पम्. III. The process : प्रसूनक्लृप्ति: (?).

FRUCTIFY : फलवन्तम् (तीं, -त्) करोति ; फलदीकरोति (rare).

FRUGAL : (1) मितव्ययिन् (f. नी) ; (2) परिमितव्यय: (या, यं).

FRUGALITY : (1) मितव्ययिता ; (2) परिमितव्यय:.

FRUGALLY : I. With frugality : मितव्ययेन, परि-, II. Moderately, sparingly : मितम्, परि-.

FRUIT : (1) (lit. and fig.), *raw, ripe, dry, juicy, insect-contaminated f.*: आमं, पक्वं, शुष्कं, सरसं, कीटदूषितं फलम्, Bha. ; *and to enjoy the sweet f.s of the life-tree*: भोक्तुं स्वादु फलञ्च जीविततरो:, B. i. ; *you will get (its) f. also*: फलमपि प्राप्स्यसि, Mr. ii. ; *considering very important production of f. s*: गरीयसीं फलनिष्पत्तिं विगणय्य, Ki. ii. 35. ; (2) प्रसव: (of trees, of animals), *about f. s*: प्रसवं प्रति, M. ix. 55.

FRUIT, TO BEAR : फलति (फल्, c. 1.), *b. s f. among the good*: फलति साधुषु, Ma. n. ; *your wishes have borne f.*: तव कामा: फलिता:, R. ; *about to b. f.*: फलोन्मुख: (खा, खं), Vi. ; *b. f. in time*: काले फलं बध्नन्ति, R. xii. 69.

FRUIT-BEARING : (1) फलिन् (f. नी) ; (2) फलभृत् (mfn.) : v. Fruitful.

FRUITERER : (1) फलविक्रेतृ (f. त्री) ; (2) फलविक्रयिन् (f. नी) ; (3) फलजीविन् (f. नी).

FRUITERY : I. Fruits : फलानि (n. pl.). II. A fruit-loft : फलागारम्.

FRUITFUL : (1) फलवत् (f. ती) ; (2) फलिन् (f. नी) ; (3) फलशालिन् (f. नी), *f. action*: फलशालिनी क्रिया, Ki. ii. 36. ; (4) फलद: (दा, दं), फलदायिन् (f. नी), etc. (=fruit-producing), *as a germ would become f. in time*: यथाङ्कुर: काले फलप्रदो भवेत्, Bha.

FRUITFULLY : (1) फलवत् ; (2) सफलम् ; (3) प्रचुरम् (=copiously).

FRUITFULNESS : (1) फलवत्ता ; (2) फलशालिता ; (3) फलप्रदत्वम्.

FRUIT-GARDEN : (1) फलवाटिका ; (2) फलोद्यानम्, Raj.

FRUITION : सम्भोग: : v. Enjoyment.

FRUITLESS : (1) निष्फल: (ला, लं), *by all means (your) wisdom is f.*: सर्वथा निष्फला प्रज्ञा, K. ; (2) विफल: (ला, लं) ; (3) अफल: (ला, लं) ; (4) फलहीन: (ना, नं); (5) फलशून्य: (न्या, न्यं); etc.

FRUITLESSLY : (1) निष्फलम् ; (2) विफलम् ; (3) व्यर्थम् (=in vain : q.v.).